ه

नामांक Roll No.

No. of Questions – 3
No. of Printed Pages – 8

SS-32-SH.HD. (Hindi)

हिन्दी शीघ्रलिपि (SHORTHAND HINDI)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2021

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 40

CONFIDENTIAL

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) तीनों खण्ड एक ही बैठक में लिखाये जायें ।

(3) प्रथम एवं द्वितीय खण्डों तथा द्वितीय एवं तृतीय खण्डों के बीच में **5-5** मिनट का मध्यान्तर दिया जाये । तीनों खण्डों के संकेत लिपि श्रुतलेखों के हिन्दी अक्षरीकरण के लिए **2¾** घंटे का समय दिया जाए ।

OFFICE COPY

(4) केवल निम्न विराम-चिह्न ही लगाएँ :

पूर्ण विराम, अर्द्ध-विराम और प्रश्न-चिह्न एवं कोष्ठक ।

(5) संकेत लिपि पेन्सिल से लिखा जाए तथा उसका अनुवाद हिन्दी में टंकण यंत्र/कम्प्यूटर से ही टंकित किया जाए । हाथ से लिखा मान्य नहीं होगा ।

(6) संकेत लिपि में लिखा हुआ श्रुतलेख उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कर दिया जाए ।

(7) संकेत लिपि के **20%** अंक रखे गये हैं ।

(8) खण्ड **प्रथम 4** मिनट, खण्ड **द्वितीय 5** मिनट तथा खण्ड **तृतीय 7** मिनट लिखवाने के रखे गए हैं । प्रत्येक खण्ड **60** शब्द प्रति मिनट की गति से बोला जाय ।

प्रथम खण्ड

(इसे **60** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखा जाए)

संकेत लिपि – 2
टंकण लिपि – 8
कुल 10

भारतीय रिज़र्व बैंक
नई दिल्ली

निदेशक,

आर बी आई

पत्र क्रमांक – 406

7 / मार्च, 2021

1/4

अध्यक्ष एवम् प्रबन्ध निदेशक,

सभी सार्वजनिक एवम् निजी बैंक,

नई / दिल्ली – 6

1/2

विषय : सिक्के की स्वीकृति और वितरण संबंधी ।

महोदय / महोदया /,

3/4

आप अपनी शाखाओं को तत्काल आदेश दें कि वे जनता के किसी भी सदस्य // से बिना 1
किसी प्रतिबंध के सभी मूल्यवर्गों के सिक्के स्वीकार करें । यदि कोई उपभोक्ता / सिक्कों की माँग 1¼
करता है तो उसे सभी मूल्यवर्गों के सिक्के भी उपलब्ध कराने अनिवार्य / होंगे । 1½

हालाँकि 25 एवम् 50 पैसे के सिक्के बैंक ने छापना बन्द कर दिया / है फिर भी पूर्व के जारी 1¾
सिक्के यथावत् बाज़ार में प्रचलित रहेंगे । बैंक के / द्वारा अब बड़ी मात्रा में अन्य सिक्के ज्यादा 2

SPECIMEN COPY

मात्रा में छापे जा रहे हैं ।/ यह विचार किया जा रहा है कि अब ₹ 100 के सिक्कों को भी प्रसारित 2¼

/ किया जाए । 2½

बैंक द्वारा 20 रु. के सिक्के पहले से ही प्रचलित हैं । / बैंक ने 5 एवम् 10 रु. के सिक्कों को भी नए 2¾

आकार में छापने का // निर्णय लिया है । 3

कोरोनाकाल में आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा / है । अतः आपसे 3¼

अनुरोध है कि आप जनता को पूर्ण सहयोग प्रदान करें । / 3½

भवदीय,

मीरा नायर,

संयुक्त निदेशक ।

OFFICE COPY

प्रति – राजस्थान, मध्यप्रदेश, पंजाब / , हरियाणा, गुजरात, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र एवम् 3¾

हिमाचलप्रदेश के सभी सार्वजनिक एवम् निजी बैंक // 4

द्वितीय खण्ड

(इसे **60** शब्द प्रति मिनट के अनुसार लिखा जाए ।)

शीघ्र लिपि – **2**
टंकण लिपि – **8**
कुल **10**

राजस्थान सरकार

कार्यालय, जिला कलेक्टर, कोटा

पत्रांक : 836

शासन सचिव,

वित्त / विभाग,

राजस्थान सरकार, 1/4

जयपुर – 302007

दिनांक – 7 मार्च, 2021

विषय / : पल्स पोलियो अभियान 15 मई, 2021 ½

महोदय / महोदया,

हम उपर्युक्त विषय की / ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं । जैसा कि विश्व 3/4
स्वास्थ्य संगठन के तत्त्वाधान // में तथा हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने आगामी 15 मई, 1
2021 को / पूरे देश में पल्स पोलियो अभियान की घोषणा की है । 1¼

इस अभियान के तहत / 0 वर्ष से 5 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दवाई पिलाई जानी 1½
है /। 1¾

इस अभियान को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिये कोटा संभाग में स्थित सभी जिलों// 2
की व्यवस्था और रखरखाव में एक बड़ी धनराशि के व्यय होने की संभावना है ।/ 2¼

हालाँकि हमने विगत वर्षों के आँकड़ों के अनुसार बजट की व्यवस्था कर रखी है ।/ आँकड़ों 2½
के आधार पर यह ज्ञात हुआ है कि गत वर्षों की तुलना में इस /वर्ष 0 आयु वर्ग से लेकर 5 वर्ष की 2¾

आयु वर्ग के बच्चों की संख्या // में 15% की वृद्धि हुई है । जनगणना विभाग द्वारा प्राप्त रिपोर्ट की एक / प्रति इस पत्र के साथ संलग्न की जा रही है ।

हमारा आपसे अनुरोध है / कि कोटा संभाग के प्रत्येक चिकित्सालय में योजना का सफल संचालन में धन की कमी / न हो । हमारे यहाँ के प्रशासन विभाग के अधिकारियों ने प्रशासनिक स्तर पर काफी // अच्छी तैयारी सुनिश्चित कर रखी है ।

OFFICE COPY

विश्वास है कि आपके द्वारा योजनाओं को पूरा / करने के लिये एक अतिरिक्त बजट यथाशीघ्र जारी करने की व्यवस्था की जाएगी ।

सधन्यवाद / ।

भवदीय,

राजीव शुक्ला,

जिला कलेक्टर ।

संलग्न – (1) प्रति

रिपोर्ट – जनगणना विभाग द्वारा /

प्रदत्त की गई 0-5 आयु

वर्ग के बच्चों की । //

तृतीय खण्ड

(इसे **60** शब्द प्रति मिनट की गति से लिखा जाए ।)

शीघ्र लिपि – **4**
टंकण लिपि – **16**
कुल **20**

"महिला शिक्षा की ओर देश के बढ़ते कदम"

भारतीय समाज में महिलाओं के प्रति आदर / का भाव प्राचीन काल से ही रहा है । ¼
शिक्षा की भूमिका समाज में सम्मानजनक / स्थान दिलाने में महत्त्वपूर्ण रही है । आजादी के ½
बाद से, विशेष रूप से / दो-ढाई दशकों से केन्द्र सरकार तथा विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा ¾
चलाए जा रहे / सतत् साक्षरता अभियान तथा 6 से 14 वर्ष के सभी बालक-बालिकाओं 1
को प्राथमिक / शिक्षा दिलाने की अनिवार्यता ने इसे और भी महत्त्वपूर्ण बना दिया है । साथ 1¼
ही / साथ प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम ने इस योजना के विस्तार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई 1½
है । / 1¾

यदि हम देखें तो पायेंगे कि भारत के अतीत में विशेष रूप से वैदिक काल / तथा उत्तर 2
वैदिक काल में स्त्रियों को पुरुषों के समान ही शिक्षा ग्रहण करने का / अधिकार था । गार्गी, 2¼
मैत्रेयी, लोपमुद्रा आदि कतिपय नारियाँ स्त्री शिक्षा के सर्वोत्तम / उदाहरण हैं । इसी क्रम में 2½
बौद्धकाल में भी स्त्रियों को संघ में प्रवेश लेने / व शिक्षा प्राप्ति का अधिकार प्राप्त था, 2¾
जिनका उल्लेख प्राचीनतम साक्ष्यों में मिलता है / । कालान्तर में अनेक विदेशी 3
आक्रान्ताओं के आने से स्त्री सुरक्षा का प्रश्न स्त्री शिक्षा / की तुलना में ज्यादा महत्त्वपूर्ण हो 3¼
गया है तथा समाज पुरुष प्रधान हो गया है /। पुरुष प्रधान समाज होने के कारण शिक्षा की 3½

OFFICE COPY

दृष्टि से स्त्रियों और पुरुषों में / विषमता फैल गई है । पर्दा प्रथा, सती प्रथा, दास प्रथा आदि 3¾
कुरीतियों ने स्त्रियों की / स्थिति में और गिरावट ला दी है । 4

आधुनिक काल में भारत में आए सामाजिक / नव जागरण के साथ ही स्त्रियों की शिक्षा 4¼
व्यवस्था का नया सूत्रपात हुआ तथा राजा / राममोहन राय, स्वामी दयानन्द सरस्वती जैसे समाज 4½
सुधारकों की प्रेरणा से तथा साथ ही / कुछ मिशनरियों द्वारा बालिका शिक्षा के लिये कुछ विद्यालय 4¾
स्थापित किये गये । 1904 में / ऐनी बेसेंट ने बनारस में केन्द्रीय हिन्दु बालिका विद्यालय की 5
स्थापना की ।

सरकार द्वारा भी / महिला सशक्तिकरण के लिये 8 मार्च 2010 को अन्तर्राष्ट्रीय 5¼
महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय / मिशन राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल द्वारा शुरू किया 5½
गया । राज्य सरकारों द्वारा भी महिला / विकास के लिये कई योजनायें शुरू की गई हैं । 5¾
हमारी वर्तमान भारतीय सरकार ने / भी बालिका शिक्षा को लेकर कई उपक्रम चलाए हैं । 6
अनेक शिक्षण संस्थान स्त्रियों के / लिए विशेष रूप से स्थापित किये गये हैं । आज के समय 6¼
में शिक्षा एवम् / विकास के हर क्षेत्र में नारी पुरुषों से आगे निकल रही हैं । राजनैतिक 6½
क्षेत्र / में भी महिलाओं ने पुरुषों के बराबर कंधे से कंधा मिला अपनी पहचान 6¾
7
बनाई । //

OFFICE COPY

DO NOT WRITE ANYTHING HERE